RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 50 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 20 मई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

निकाय चुनाव के लिये गोटियां फिट

--आसान नहीं पार्टियों के लिये उम्मीदवार चयन
--हर निकाय में जीत दर्ज करेगी भाजपा : बिष्ट
--आम आदमी पार्टी ने भी दम ठोक रखा है
--गंगोलीहाट में कांग्रेस का मंथन, प्रदीप मौजूद
--बेरीनाग में पार्टियों के भीतर ही घमासान
--बागेश्वर में मातृशक्ति पलट सकती है बाजी
--कपकोट में वजनदार नेताओं की चलेगी
--नगर निगमों के लिये बड़े नेताओं की चाह है
--हल्द्वानी वार्डो में भाजपा के प्रभारी नियुक्त
--रुद्रपुर में व्यापारी नेता कूद चुके हैं चुनाव में

कार्यालय प्रतिनिधि

निकाय चुनाव सरगर्मियों में भाजपा-कांग्रेस के लिये उम्मीदवारों की तलाश होने लगी है। पार्टी स्तर पर पैनल बनाकर चयन किया जा रहा है लेकिन नेताओं के बढ़ते दबाव के बाद पार्टियों के लिये उम्मीदवार चयन आसान नहीं है जबकि चुनाव लड़ने की ठान चुके नेता अपनी गोटियां फिट कर चुके हैं। पार्टी टिकट न मिलने की स्थिति में निर्दलीय चुनाव लड़ने का मन भी कुछ नेताओं ने बना रखा है। इसके लिये आरक्षण स्थिति देखते हुए और लोकसभा चुनाव के परिणामों का मेल मिलकर चुनाव घमासान होना तय है।

लोकसभा चुनाव के परिणाम 4 जून को आते रहेंगे, इससे पहले निकाय चुनाव का अधिकांश कार्य पार्टियां कर लेना चाहती हैं। आम आदमी पार्टी ने भी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का दम ठोक रखा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एस.एस.कलेर जगह-जगह जाकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रहे हैं। खटीमा, पिथौरागढ़, हल्द्वानी में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उन्होंने कहा कि आप मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। नगर निगम हल्द्वानी में चुनाव के लिये भाजपा कांग्रेस के ताकतवर नेता जुटने लगे हैं। भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने बैठक करते हुए जनता के बीच प्रभाव रखने वाले प्रत्याशी का चयन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी ऐसे प्रत्याशी का चयन करें जिसकी आम जनता के बीच स्वच्छ छवि व प्रभाव हो। दूसरी ओर कालाढूंगी में नरर निकाय चुनाव के लिये तो भाजपा ने वार्डो के प्रभारी भी नियुक्त कर दिये हैं।

निकाय चुनाव को लेकर भवाली में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में सुझाव लेने के साथ ही मतदाता सूची में छूटे नाम दर्ज करने व मतदाताओं के बीच प्रचार प्रसार को कहा गया। जिलाध्यक्ष ने हर वर्ग में तीन-तीन नाम के साथ ही सभासद पर भी पैनल भेजने की बात कही। मण्डल अध्यक्ष से भी सभासद पद पर आवेदन की बात कही। कहा कि पार्टी सभासद पद पर भी नया नेतृत्व तैयार कर रही है। जिससे कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता विकसित होगी।

गंगोलीहाट में निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठक में मंथन हुआ। पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, खजान गुड्डू सहित सम्भावित प्रत्याशी व कार्यकर्ताओं ने होने वाले निकाय चुनाव में पूरी ताकत के साथ लड़ने की बात कही। बैठक में बलवन्त मेहरा, नारायण सिंह बोहरा, हयात बोरा, पष्टी बल्लभ भट्ट, शोभन राम, संजू बोरा, गोपाल सिंह सुगड़ा, बहादुर राम, मालती आर्या, मनोज टम्टा, किशाकर कुमार आदि थे। बेरीनाग निकाय चुनाव के लिये नए-पुराने चेहरों की चर्चा है लेकिन पार्टियों के भीतर ही टिकट को लेकर घमासान मची है।

पिथौरागढ़ में भाजपा और कांग्रेस की ओर से पहले की तरह घमासान होनी है। दोनों ओर से विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री आदि दिग्गज मिलकर अपनी पार्टी का चेहरा तय करेंगे। पिथौरागढ़ नगर पालिका इनकी नाक का सवाल है। इसी प्रकार चम्पावत में भी तैयारी है। मुख्यमंत्री विधानसभा होने से

मल्ला जोहार सीमान्त क्षेत्र भारत-चीन सीमा में विकास कार्यों को बाइब्रेन्ट गाँव की अनदेखी न हो

मुनस्यारी। सीमान्त क्षेत्र मल्ला जोहार के बाइब्रेन्ट गाँवों की सुविधा सम्पन्न बनाने की मांग को लेकर मल्ला जोहार विकास समिति ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। कहा है कि मल्ला जोहार जो भारत-तिब्बत चीन सीमा के नजदीक माइग्रेशन परिवार के लोग कई सालों से अपनी मांग रखने आ रहे हैं लेकिन स्वीकृति प्रदान न होने के कारण निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हो पा रहा है जिससे सीमान्त गाँवों के लोगों के अतिरिक्त भेड़ पलकों, घोड़े-खच्चरों के साथ में पर्यटकों को भी आवागमन करने में अत्यन्त कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है, जो कि एक ज्वलन्त समस्या है। जिसका निराकरण करना अति आवश्यकीय है। मुख्यमंत्री स्तर पर बिना विलम्ब धनराशि की स्वीकृति की जाए जिससे विकास कार्य का शुभारम्भ हो।

मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने पत्र में कहा है कि समस्त सीमान्त क्षेत्र में निवास करने वाले महिलाएं, युवक (बेरोजगार) इस उम्मीद में कि निर्माण कार्य की स्वीकृति हो तो इस दूरस्थ क्षेत्र में भी कार्य हो सकें। इससे सीमान्त क्षेत्र के नजदीक माइग्रेशन काल अवधि के समय विषम भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करने वालों को कुछ सुविधा मिल सकेगी।

२०२४ का लोकसभा चुनाव सबसे अजूबा

नन्दाबल्लभ पाण्डेय

इस वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव पिछले चुनाव की अपेक्षा विचित्र ही है। 19 अप्रैल 24 को 21 राज्यों के 102 सीटों के पहले चरण के चुनाव के बाद से 7 चरणों तक का इसको सम्पन्न होना है। अन्तिम चरण का चुनाव 1 जून को सम्पन्न होगा। 4 जून 2024 को चुनाव परिणाम घोषित हो जाएंगे।

सभी ने देखा कि प्रथम चरण का का चुनाव कुछ फीका रहा। उसके बाद के चरणों में पार्टियों की जोरआजमाइश जारी है। उत्तराखण्ड में पहले चरण में गर्मी का मौसम और जनता की नाराजगी चकमा देने वाली लग रही है। एनडीए गठबन्धन में सम्मिलित भाजपा बारम्बार घोषणा करती है कि उसकी पार्टी 400 पार करके प्रचण्ड बहुमत हासिल कर लेगी। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयान कर रही है उक्त राजलीतिक पार्टी का ओवर कॉन्फिडेंस भी एक कारण है। अक्सर ओवर कॉन्फिडेंस धोखा खा जाती है वैसे सबकी शुभकामना है कि वर्तमान सरकार पुन: पूर्ण बहुमत हासिल करे। लेकिन मतदाताओं की अपेक्षाओं एवं भावनाओं को हल्केमन से लेकर उनकी उपेक्षा कर नजरअंदाज करने का परिणाम बहुत विपरीत ही होता है। इस बार मतदाता कुछ कारणों से नाराज मालूम होता है जैसा कि-

1. पहला कारण यह कि भाजपा सहित राजनैतिक पार्टियों के नुमाइन्दे, समर्थक एवं कार्यकर्ता किसी ने भी चुनाव के पहले तथा चुनाव दौरान जनता से जनसम्पर्क करके उनके दु:ख-दर्द व समस्याओं को जानने का प्रयास नहीं किया कि जनता क्या चाहती है। चुनावों के दौरान स्टार प्रशंसकों द्वारा रोड शो दिखाकर और बड़े-बड़े खास नजारों में भ्रमण आदि करके अपने कर्तव्य की इतिश्री की गई। जनमानस की भावनाओं को परखने का कोई प्रयास नहीं किया।

2. पिछले चुनावों में निर्वाचित सांसदों एवं विधायकों द्वारा सांसद व विधायक निधि का क्षेत्र के विकास कार्यों में प्रयोग नहीं किया गया जिस कारण विकास कार्य बहुत कम ही हुए और न ही उनके द्वारा जनपसम्पर्क ही किया गया।

3. सरकारी विभाग में काफी मात्रा में रिक्त पद होते हुए भी काफी बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पाया जिस कारण राजकार्य प्रभावित रहा।

4. सरकारी कर्मचारियों एवं शिक्षकों को प्रान्नति की कोई घोषणा नहीं की गई जिससे कई कर्मचारी बिना प्रान्नति पाए ही सरकारी सेवा से निटायर हो गये। यह भी अप्रसन्न होने का मुख्य कारण रहा।

5. पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को नज़रअंदाज कर दिया गया, जिससे कर्मचारी नाराज रहे। ऐसी स्थिति में यदि पुरानी पेंशन फिर से लागू नहीं होगी तो एक समय ऐसा आयेगा कि जब सभी कर्मचारी बिना पेंशन प्राप्त किये रिटायर हो जायेंगे। तब उनके भविष्य का क्या हाल होगा।

6. किसारों एवं मजदूरों की समस्याओं को नज़रअंदाज किया जाता रहा।

7. पिछली सरकार द्वारा जगह-जगह गांवों/कस्बों में आवश्यकता अनुसार सरकारी शिक्षण संस्थाएं खोली गयी थी, उन स्कूलों में छात्रों की संख्या व शिक्षकों की संख्या घटती जा रही है। उनकी स्थिति पर कोई गौर नहीं हुआ। इसके विपरीत जगह-जगह इंग्लिश माध्यम से पब्लिक स्कूल खोले जा रहे हैं जहां काफी महंगी फीस व महंगी किताबें लेनी पड़ रही हैं, फिर भी छात्रों की भीड़ बढ़ रही है। शिक्षा का व्यापारीकरण बढ़ता जा रहा है।

8. वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनर्श समुदाय की उपेक्षा करना तथा

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

लिव-इन-रिलेशनशिप
भारतीय संस्कृति तो नहीं

लिव-इन रिलेशनशिप पाश्चात्य सभ्यता भारतीय सिद्धान्तों की अपेक्षाओं के विपरीत है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बच्चे के संरक्षण से जुड़े हुए एक मामले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। साथ ही कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप को एक कलंक बताया। न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी और न्यायमूर्ति संजय एस अग्रवाल की खण्डपीठ ने कहा- समाज के कुछ सम्प्रदायों में अपनाया जाने वाला लिव-इन रिलेशनशिप अभी भी भारतीय संस्कृति में एक कलंक है, क्योंकि यह भारतीय सिद्धान्त की अपेक्षाओं के विपरीत एक पाश्चात्य सभ्यता है। खण्डपीठ ने ३० अप्रैल को ३६ वर्षीय महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में पैदा हुए बच्चे का संरक्षण की मांग करने वाले याचिकाकर्ता की अपील को खारिज कर दिया। दंतेवाड़ा जिले के अब्दुल हमीद सिद्दकी ने अपनी याचिका में कहा कि वह एक अलग धर्म की महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में था और उसने एक बच्चे को जन्म दिया।

लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ा उक्त मामला कोर्ट तक गया और कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप एक कलंक है। बात एकदम सही है, क्योंकि देखने में आ रहा है कि अति आधुनिकता की होड़ में कई युवा इतने बहक चुके हैं कि वह मनमानी करने लगे हैं। युवाओं के अलावा कुछ नवधनाड्य परिवार भी इस प्रकार के बहलावे में फंसे हैं। ऐसे में सबकुछ जानते हुए भी समाज का बड़ा वर्ग अपने को मजबूर मान चुका है। विवाह समारोह में भी वह सब परोसने की परम्परा चल पड़ी है जिसे देख लज्जा होती है। खुलेआम वह सब किया जा रहा है और दिखाया जा रहा जो सभ्य नहीं कहा जा सकता है। किसी भी कीमत पर आगे बढ़ने की होड़ और अतृप्त लोगों की वासनाओं का कारोबार 'लिव-इन रिलेशनशिप' हो चुका है।

लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संस्कार क्यों पनपाए जा रहे हैं? ऐसी क्या जरूरत हो गई कि परिवार टूटते रहें, रिश्ते बिखर रहें और दिखावे के लिये मनमानी की जाए। यह बर्बादी का सीधा रास्ता है। इसलिए समाज को किसी भी प्रकार से दूषित करने की छूट नहीं मिलनी चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

भारतीय नौसेना ने की पूर्वी बेड़े में तैनाती

सिंगापुर। दक्षिण चीन सागर में चीन पर नकेल कसने के लिए नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में तीन भारतीय नौसेना जहाज सिंगापुर पहुँच चुके हैं। वर्तमान में दक्षिण चीन सागर में चीन का दबाव रहा है।

पाकिस्तान में बैठे सात की सम्पत्तियां कुर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के वारामूला जिले में पाकिस्तान स्थित सात आतंकी आकाओं की सम्पत्तियां कुर्क की गई। पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि वारामूला में अतिरिक्त सत्र अदालत द्वारा पारित कुर्की आदेश प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं की सम्पत्तियां कुर्क की गई।

बिना कारण रद नहीं कर सकते अनुबन्ध

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निजी कम्पनी या पार्टी से जुड़े अनुबन्ध को रद करने के मामले में अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने सीजेआई डीवाई चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने कहा कि निजी पक्षों के अनुबन्ध कारण बताए बिना पद नहीं किए जाने चाहिए।

आस्ट्रेलिया ने छात्र वीजा नियम बदले

आस्ट्रेलिया ने भारतीय छात्र वीजा सेविंग की अनिवार्यता में इजाफा कर दिया है। अब भारतीय और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों को आस्ट्रेलिया में स्टडी वीजा पाने के लिये 16 लाख 35 हजार रुपये की सेविंग के प्रूफ अपने बैंक अकाउंट में दिखाने होंगे।

हिंसा मामले में इमरान ने नहीं मांगी माफी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अडियाला जेल में बन्द पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने 9 मई को सैन्य प्रतिष्ठानों में हुई हिंसा के मामले में इन्कार कर दिया। इसके बाद सेना ने कहा कि जब तक पूर्व पीएम सार्वजनिक माफी नहीं मांगते तब तक वे पार्टी से बात नहीं करेंगे।

धोखाधड़ी के जुर्म में भारतवंशी को सजा

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक घोटालेबाज को 6 लोगों से 28.5 लाख सिंगापुरी डॉलर (21 लाख डॉलर) तक की ठगी करने के जुर्म में आठ साल जेल की सजा सुनाई गई। मीडिया के अनुसार 47 साल के मुरलीधरन मुहुदन ने अपने पीड़ितों को फीस, कमीशन और अन्य फर्जी भुगतान के जरिए धोखा दिया। पीड़ितों को पहले के निर्देश में पहले ही नुकसान हो चुका था। सिंगापुर के व्यक्ति ने 2020 और अक्टूबर 2022 के बीच अपराधों को अंजाम दिया था।

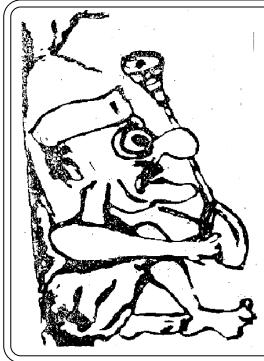

फसक

दाज्यू, ग्रेड की जिद में क्याप्प हो जाने वाला ठैरा

फुसफुसाहट के जमाने में झन्नाटेदार कुछ नहीं होता है बल

दाज्यू, कुमाऊं विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की टीम का तीसरा दौरा हो चुका है। पहले ए ग्रेड पाने वाले विश्वविद्यालय को जब कम का ग्रेड मिला तो झरझुरी हो गई। क्या किया जाए? ऐसे में अपील होने वाली ठैरी लेकिन टीम ने फिर से कम ही आंका। अब एक बार फिर से पुनर्मूल्यांकन हुआ बल। दाज्यू, ग्रेड की जिद में क्याप्प हो जाने वाला ठैरा। टीम का झमाझम स्वागत हुआ। गर्मी के मौसम में नैनीताल घूमने का भी मजा ठैरा।

दाज्यू, निरीक्षण-परीक्षण की पूछो मत। जितने तरीके के पैनल, निरीक्षण, पड़ताल होने लगी हैं सब कढ़ाई-पनीर सा लगता है। प्राईवेट कालेजों में पैनल के लिये जाने वाली झिलमिल मैडम इसे अहोभाग्य मानती है। कह रही थी- 'तराई के प्राइवेट कालेज वाले लिफाफा देते हैं।' दाज्यू, जमाना बीत गया जब नैनीताल को पढ़ाई के लिये माहौल माना जाता था। अब तो सब जगह एक सा माहौल हो गया है 'मोमो-चाउमिन' टाइप। नेगागिरी पूरी होने लगी है। किसकी कला, किसका विज्ञान? आने-जाने वाले को फूल के गुच्छे देकर शिष्टाचार भेंट हो जाए और अखबार में आठ-सात लाइनें छप जाना ही योग्यता का पैमाना मान लिया गया है। सड़क में अपने आप से ही कहते रहो- 'विभागाध्यक्ष हूं'। कौन पूछ रहा है? दो-चार चेले आगे-पीछे हो जाएं तो लगता है सारे कष्ट दूर हो गये हैं। दाज्यू, साब के पास जाकर चुपके से फुसफुसाहट करते रहो, रोग-शोक से मुक्ति मिलने वाली ठैरी। वैसे भी फुसफुसाहट के जमाने में झन्नाटेदार कुछ नहीं होता है बल।

नैनीताल में जिला प्रशासन होटलों में जाकर सैम्पल ले चुका है। फुसफुसाहट का दौर ठैरा। एक फुस्की मार दो, उसका असर बहुत समय तक रहता है। किसको नियमित और किसको अनियमित कहा जाए? जो अपने मुताबित न हो वही अनियमित होने वाला ठैरा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के सम्बद्ध कालेजों के पैनल का लग्गो-लपटा हो गया बल। दाज्यू, जब सब कुछ मटर-पनीर होने लगा है तो टीए-डीए से ज्यादा सोच भी क्या सकते हैं। जालसाजों ने हल्द्वानी के मुखानी निवासी अंग्रेजी के प्रवक्ता हरिहर प्रसाद से लाखों की ठगी कर ली। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से सेवा निवृत्त प्रवक्ता को पहले फोन कर झांसा देने वाले गिरोह ने जिस तरह से ठगा, ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। काठगोदाम निवासी एक व्यापारी के नाम से बैंक लोन भी हो गया, जिसकी भनक व्यापारी को नहीं लगी। पैन और आधार कार्ड से यह नई तरह की ठगी है बल।

हल्द्वानी कैनरा बैंक में नकली सोना गिरवी रख कर 10 लाख से अधिक का गोल्ड लोन करवा लिया बल। अधिकृत ज्वैलर्स के साथ मिलकर आठ लोगों ने षड़यन्त्र किया, अब छानबीन हो रही है। दाज्यू, लालकुआ विधायक मोहन सिंह बिष्ट के नाम से भी कुछ लोग फोन कर अधिकारियों को गुमराह कर रहे हैं बल। भाजपा नेता विजय दुम्का ने कोतवाली में पत्र देकर जाँच की मांग की है। दाज्यू, आप जानने ही वाले हुए कि जनप्रतिनिधि के भी कई प्रतिनिधि हो जाते हैं। यही सबकुछ घपलत कराता है। विधायक, सांसद, मंत्री के जो जितने करीब हो वह उतना पॉवरफुल समझने लगता है। ऐसे में फोन कर रौब दिखाने वाले भी हो ही जाने वाले ठैरे। दाज्यू, शराब के नशे में बेतालघाट के तहसीलदार के वाहन चालक ने एक बुजुर्ग महिला पर बोलेरो चढ़ा दी। वृद्धा फुटपाथ पर खड़ी अपने बेटे का इन्तजार कर रही थी।

दाज्यू, खड़बड़ होते रहने वाली ठैरी। देहरादून पुलिस ने कूटचरित दस्तावेजों के जरिये जमीन की रजिस्ट्री कराने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में सहारनपुर का हिस्ट्रीशीटर भी है बल।

सीएम से पूर्व विधायक का मानसिक इलाज कराने की मांग किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ ने की है। दाज्यू, बेहड़ का अपना अनुभव ठैरा। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला जुवा नेता भी जोशीला है बल। किसको क्या कहा जाए? बेहड़ ने सीएम धामी से भेंट कर कहा- 'शुक्ला का उच्चस्तरीय मानसिक चिकित्सालय में चेकअप हो और उत्तराखण्ड सरकार की तरफ से इलाज कराया जाए।' दाज्यू, इलाज तो हमें अपना भी कराना था क्योंकि हांट-भांट पीड़ रहती है लेकिन क्या करें, कोई सुनने वाला नहीं है। आम आदमी का तो अस्पताल का खर्चा सुनकर वैसे ही खून सूख जाता है। इसलिए चकाचक बने रहो, ग्रेड बढ़ाने के लिये फुरफुराट करते रहो। इसकी जिद में क्याप्प से क्याप्प हो जाने वाला ठैरा।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

२०२४ का लोकसभा...

प्रथम पृष्ठ का शेष

उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

9. गरीबों को मुफ्त अनाज देने की बात सत्यता से परे है, गरीबी रेखा की मानक रेखा क्या है और कहाँ तक उक्त व्यवस्था की गई। इसकी कोई व्यवस्था नहीं हुई।

10. महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर प्राप्त करने की बात सत्यता से परे है क्योंकि महिलाओं को गैस सिलेंडर के लिये महंगी कीमतें चुकानी पड़ीं।

इस प्रकार सरकार द्वारा जनता के लिये कुछ भलाई के कार्य किये गए तथा कुछ लापरवाहियां भी की गई। अब मतदान के समय मतदाताओं ने अपनी नाराजगी जाहिर कर दी गई जिसका परिणाम 4 जून 2024 को दिखाई देगा। जनता की भावनाओं को हल्के मन से लेने का यही परिणाम सामने आयेगा।

निकाय चुनाव.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपाई दमदार बने हुए हैं। लोहाघाट में पूर्व सैनिकों की बैठक में पूर्व सैनिकों ने भी ताल ठोक दी है। पूर्व सैनिक लीग के जिलाध्यक्ष कैप्टन आर.एस.देव ने कहा पूर्व सैनिक लीग भी अध्यक्ष पद के लिये दावेदारी करेगा। लोहाघाट में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीरांगनाएं और उनके आश्रित परिवार रहते हैं।

रुद्रपुर नगर निगम चुनाव के लिये व्यापारी नेता कूद चुके हैं। प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष संजय जुनेजा मेयर के लिये सबसे पहले दावेदारी की है। भाजपा की ओर से बैठक कर कहा गया कि पार्टी हर वार्ड में मजबूत प्रत्याशियों को मैदान में उतारेगी। भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने कार्यकर्ताओं से तैयारी में जुटने को कहा। इसी प्रकार बाजपुर में भी पार्टी की बैठक में दावेदारों ने आवेदन पत्र सौंपे। जसपुर में बसपा ने निकाय चुनाव में मजबूत प्रत्याशी खड़े करने का ऐलान किया है। निकाय चुनाव की सुगबुगाहट तेज होते ही पन्तनगर नगला में भी सम्भावित उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। युवा ठेकेदार अतुल वर्मा ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ विधायक तिलकराज बेहड़ के आवास पर उनसे मुलाकात कर कांग्रेस पार्टी की ओर से नगला नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिये अपनी दावेदारी की।

बागेश्वर नगर पालिका सीट पर सरगर्मी है और माना जा रहा है कि मातृशक्ति चुनाव में बाजी पलट सकती है। कपकोट में चुनाव को लेकर मेल-मिलाप होने लगा है। यहाँ वजनदार नेताओं की चलेगी। विकास की वाट जोहता कपकोट नेताओं के जाल में फंसा रहा है, ऐसे में निकाय के लिये घनघोर होनी है। व्यापारी नेता, कारोबारी भी इसमें ताल ठोकेंगे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

जंगल की आग से उबरे ही नहीं, जल संकट ने बढ़ाई परेशानी

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

भारत का एक खूबसूरत राज्य उत्तराखण्ड जिसे गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे तीर्थस्थलों के लिए प्रसिद्धी मिली है, यहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य लोगों का मन मोह लेते हैं। इस राज्य को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के साथ इस राज्य की एक और बड़ी भूमिका है। उत्तराखण्ड राज्य देश की एक बड़ी आबादी की प्यास भी बुझाता है लेकिन वर्तमान समय में ये पहाड़ी राज्य भीषण जल संकट से गुजर रहा है।

अमूमन ये माना जाता है कि जिस राज्य से गंगा जैसी विशाल नदी बहती हो वहाँ भला जल की क्या कमी हो सकती है, लेकिन सरकारी आंकड़े जो हकीकत बयां कर रहे हैं, वो बेहद चौंकाने वाले तो हैं ही साथ ही भयावह भी हैं। दरअसल, जहाँ दुनिया भर में ग्लोबल वार्मिंग का असर देखा जा रहा है। उत्तराखण्ड भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखण्ड में पानी का संकट यूं तो मई और जून महीने में शुरू होता है, लेकिन इस बार लोगों के हलक सूखने का सिलसिला मार्च से ही शुरू हो गया था। स्थिति ये है कि पानी की कमी को लेकर अभी से शिकायतें मिलने लगी हैं। जबकि आंकड़े यह बताते हैं कि गर्मियों के महीनों में सैकड़ों कालोनियां हमेशा पानी के लिए तरसती रही हैं। प्रदेश में यह सीजन तापमान के लिहाज से पहले ही आने वाली परेशानियों को जाहिर करने लगा है।

मार्च महीने में तापमान सामान्य से 10 डिग्री तक भी अधिक रिकार्ड किया गया। इस बार अप्रैल महीने में होने वाली गर्मी का एहसास मार्च में ही महसूस हो रहा था। इसका असर न केवल बढ़ते तापमान के रूप में झेलना पड़ा बल्कि, इससे समय से पहले ही पानी का संकट भी खड़ा हो गया। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मार्च महीने में ही देहरादून से 1 दिन के भीतर ही पेयजल की समस्या को लेकर 150 तक शिकायतें मिलीं। इसमें पीने के पानी की सप्लाई बाधित होने, गन्दा पानी आने से लेकर लीकेज तक की समस्या शामिल हैं। राज्य में चिन्ता की बात यह है कि सबसे ज्यादा शिकायतें प्रदेश के सबसे बड़े शहरों से आ रही हैं। इसमें देहरादून और हल्द्वानी शहर शामिल हैं। इसकी बड़ी वजह यह भी कही जा सकती है कि इन क्षेत्रों में ज्यादा जनसंख्या होने के कारण यहाँ लोगों की शिकायतों का आंकड़ा अधिक है। पेयजल को लेकर सबसे ज्यादा समस्याएं पर्वतीय क्षेत्रों में हैं।

अब आंकड़ों से जानिए राज्य में कितनी कालोनियों के लोग गर्मियों के मौसम में पानी के लिए परेशान रहते हैं. उत्तराखण्ड के लिए एक पुरानी कहावत है कि पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी कभी भी यहाँ के काम नहीं आई। एक दो अपवादों को छोड़ दें तो यह काफी हद तक सही भी है। जो उत्तराखण्ड देश की एक बड़ी आबादी की प्यास बुझाता है, अब वहीं के लोगों के हलक सूख रहे हैं। पहाड़ों से निकलने वाले जल स्रोत छोटी-छोटी नदियां अब गायब हो रही हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार और सिस्टम को इसकी जानकारी नहीं है। 6-8 महीने में एक बैठक करके हमारे नीति निर्धारक इस पर चर्चा करते हैं और अगले प्लान के लिए बजट करते हैं, लेकिन हालात यह है कि नीति आयोग की रिपोर्ट यह कह रही है कि उत्तराखण्ड में लगातार जल स्रोत सूख रहे हैं. जानकार तो यह भी मानते हैं कि पलायन का एक बड़ा कारण नौले-धारे और जल स्रोतों का सूखना भी है इन सब के पीछे वजह जो भी हो, लेकिन इन हालातों की बड़ी वजह इंसान हैं। कुछ समय पहले तक जल स्रोतों को गाँव के लोग देवता की तरह पूजते थे। साल में कई बार गाँव इकट्ठा होकर इन नौले धारों और जल स्रोतों को संजोकर रखते थे। लेकिन आलम यह है कि धीरे-धीरे यह जल स्रोत आबादी वाले इलाकों में सूखने ही लगे हैं। जल स्रोत प्रबन्धन कमेटी की रिपोर्ट कहती है कि, मौजूदा समय में उत्तराखण्ड में 4000 ऐसे गाँव हैं जो जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 510 ऐसे जल स्रोत हैं, जो अब सूखने की कगार पर आ गए हैं। सबसे ज्यादा असर अल्मोड़ा जनपद पर पड़ा है। यहाँ पर 300 से अधिक जल स्रोत सूख गए हैं। यहाँ तक कि उत्तराखण्ड में प्राकृतिक जल स्रोतों के जलस्तर में 60 फीसदी की कमी आई है उत्तराखण्ड में 12000 से अधिक ग्लेशियर और 8 नदियां निकलती हैं। बावजूद इसके उत्तराखण्ड में मौजूदा समय में 461 जल स्रोत ऐसे हैं, जिनमें 76 फीसदी से अधिक पानी अब बचा ही नहीं यानी पूरी तरह से सूख चुका है। इसके साथ ही प्रदेश में 1290 जल स्रोत ऐसे हैं, जिनमें 51-75 प्रतिशत पानी सूख चुका है। आंकड़े बताते हैं कि राज्य में 2873 जल स्रोत ऐसे हैं, जिनमें 50 प्रतिशत तक पानी

कम हो चुका है और ये निरन्तर कम हो रहा है। जल संरक्षण के प्रति नागरिकों की असम्वेदनशीलता ही शुद्ध पेयजल को इंसान की पहुँच से दूर कर रही है। हम सबको पता है और बाकायदा छोटी उम्र से ही हम सुनते आ रहे हैं कि जल है तो कल है, बावजूद इसके जल की बूंदों को बेवजह बर्बाद करने का सिलसिला हर स्तर पर बदस्तूर जारी है। यह जानते हुए भी कि पृथ्वी पर पीने योग्य जल की उपलब्धता काफी कम है। हकीकत में केवल एक तीसदी ही पानी पीने योग्य है। पर, लोगों की मानसिकता अभी भी नहीं बदल रही है। जल संकट का हल्ला शुरू हुआ तो चिंतन-मंथन शुरू हो जाता है। प्रशासनिक अमर भी तमाम योजनाएं बनाकर कवायद शुरू कर देते हैं। लेकिन, यह सब कागजों पर ही नजर आता है। हम भूल जाते हैं कि बहुमूल्य जल के प्रति हमारी क्या जिम्मेदारियां हैं। जल की कमी आज लोगों की मुख्य समस्या है। पहले के लोगों को जल का संकट कभी नहीं होता था आज स्थिति यह है कि लोगों को पानी भी खरीद कर पीना पड़ रहा। सरकार जो भी सिस्टम बनाती है उसे हम सभी को पालन करना चाहिए। क्योंकि जल बचेगा तो विश्व सुरक्षित होगा। जल संरक्षण की बहुत आवश्यकता है। पानी की बर्बादी को रोकना होगा। हम सभी को पानी की कमी को समझते हुए प्रयोग करते समय ध्यान देना होगा की हम कितनी मात्रा में पानी बर्बाद कर रहें। इस कमी को रोकने के लिए बारिश का जल संरक्षित करना होगा। जल संकट का मौजूदा समय में आलम यह है कि कुआं और तालाब सभी सूख गए हैं। पहाड़ों में आज नौले धारे ही लोगों को प्यास बुझा रहे हैं। ऐसे में इन प्राकृतिक जल स्रोंतों की महत्ता को समझ इन्हें संरक्षण की काफी जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी को भी जल संकट से न जूझना पड़े।

कुमाउंनी कहानी

झम्म

दीवान सिंह कठायत

'अमा-अमा' कूनकुनै नानी नीरू भतरी खताड़न पैरि बेर, आगराक् छिन में लागी सैमा मोड़ा कौतिक हीं वीक इजालि बट्या बेर, जसै काजवाक् टिक्क कपाव ला लगा, खाट में बटी भीमै धरछीत्, उ दौड़ि बेर अफण आमाक् मुख ला ठाण है गै। 'ओ इजा म्यां पोथि 'झम्म' लागि रै' कै बेर आमालि अफणि छाति ला चिपका, ख्वार बटी खुटन तक कदू बारि मलासि दे। 'अफण भौकि बल्या ल्यूंन' कै बेर वी कै, वीक इजाक् दिगाड़ कौतिक हीं लगा द्यो।

'हली तुमार भौ कदुक भलि छाजिरै' कूंण में भ्या और लै कौतिकार स्याणी। 'होय ली बिली पारिक् पिरमू थै, तैक बापूलि दिल्ली है भतरी खताड़ भेजि राखि छी। अफूं नै आ सकि, सौमान भेजि द्यो' कूंणै में भे नरुलि बोजि दगड़ुन छै।

ब्याव कै कौतिक है घर पुजी बेर लै भौ उसी लागि भे। 'अमा ले' कैते -कैते नीरू अफण नना हाथन में कौतिकी बान् जुलेबी बाड़् थमा बेर आम् कै दी, वीक काखि में भै गे। 'बल्या ल्यूंन मेरि झुमक्यालि' कैते-कैते आम् चपाचप बाड़न खाण बैगे।

आस्ते-आस्ते, आब नीरू इस्कूली नानतिन बणि गे। यो भगबानैकि देन भे हो वीक आंग में क्वे लै कपड़ू भौते भल छाजनेर भाय। सब वीक बार में बस झम्मकन देखी रू तौ, यही कुनेर भ्या। पनर अगस्त, छैब्बीस जनवरी या जब लै इस्कूलन में नाच खेल होलात् ,नीरू निहारी अलगै छाजिनेर भयि। कालेजोंकि पढ़ाई दिनान लै ऊ अघिलै रूनेर भे। क्वे-क्वे लम्पटि लौंड वीक अगल बगलन है 'झम्म' कै बेर वीकै सुणूंनेर लै भ्याई। नानछना 'झम्म' सुणन जो भलो लागिछू, आब् ठुल है बेर उ ठीक नै लागनेर भय।

पार गौं में आज महिला संगीत छ्यू। जौं उ लै दगणू चेलि बटि नक् दिगाड़ गे। वौं ऊलि आज्जै नयी गीत, 'झम्म लागि मेरि सुवा.....' डी जे में लागि जसै सुणछैत, उ भतरै- भतर भौतै खुशि हैगे। वीकै यस लागो जणी य गीत वीकै तै बणि रौ। सबै चेली स्यैणी त वालै गीतैकि रमाइश करण बैग्या डीजे वाल् थे। तभै रंजना ठाड़ उठि ,वील गीत रोकिबेर नीरू हाथ थमा बेर को, हमार झम्म गर्ल इकलै आब यो गीत में नाचैलि। पैलि तो उकै ठीक जस नै लागि पर जब सबै वीछै नाच-नाच कूण बैठनत् ओहो उ इदुक बढ़ी डांस करण बैगे जाणि साक्षात इनरै परि नाचणै। डीजे वालैलि लगातार आदुक घंट तक ऊकै छकि बेर नचा द्यो। आब् और गीत मनखनक् मनै नै ऊंगाइ।

'हाय मैडम ,आपने झम्म गीत पर गजब का झम्म डांस किया।' महिला संगीत खतम हयी बाद, हीरो जस बान उ लोडैलि चुपचाप ऊथै कोछैत, ऊकि आंग में सुरसुरी जैसि हैगे। आब धीरे -धीरे उ लौड वीक दगाड़ भेट घाट करण लागि ग्यो और उ लै बिना वीक चाल चरित्र जाणि वीक फन्दन में फसण बैगे। एक दिन सुणन में आ कि, उ वीक दगाड़ हाथकानकि पुटुरि थमा बेर भाजि गे।

ज्योतिष की बातें - 178

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह राशि परिवर्तन नहीं कर रहा है। पूरे सप्ताह शनि मूल त्रिकोण राशि कुम्भ में, शुक्र स्वराशि वृषभ में, मंगल मित्रराशि मीन में, बुध समराशि मेष में, सूर्य व गुरु दोनों शत्रुराशि वृषभ में यथावत् गोचर करते रहेंगे। चन्द्रमा इस सप्ताह तुला, वृश्चिक व धनु राशि में गोचर करेगा।

नृसिंह चतुर्दशी- वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी सूर्यास्त व्यापिनी तिथि में नृसिंह जयन्ती मनाई जाती है अत: मंगलवार 21 मग्र 2024 को भगवान विष्णु के चौथे अवतार भगवान नृसिंह की जयन्ती उल्लास पूर्वक मनाई जाएगी।

कूर्म जयन्ती- वैशाख शुक्ल पूर्णमा सायं व्यापिनी तिथि में कूर्म जयन्ती मनाई जाती है अत: गुरुवार 23 मई 2024 को भगवान विष्णु के दूसरे अवतार भगवान कूर्म की जयन्ती मनाग्र जाएगी।

इस स्थाई स्तम्भ में किसी भी ग्रह के राशि परिवर्तन का गोचर फल निरूपित किया जाता है। यह एक स्थूल गोचरफल होता है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 69

भारत को अमेरिका बनाना है?

भारत की सभी राजनीतिक पार्टियाँ, तथाकथित बुद्धिजीवी लोग और आम आदमी भी भारत के विकास की बात करता है तो उसके मन मस्तिष्क में एक ही आदर्श होता है कि भारत को अमेरिका जैसा बनना है। अर्थात् अमेरिका की तरह यहाँ पर भी चौड़ी-चौड़ी सड़कें हों, ऊँची-ऊँची बिलल्डगें हों, हर घर में 2-2, 4-4 कारें हों, बड़े-बड़े यूनिवर्सिटीज कालेज हों, उन्मुक्त वातावरण हो, कोई बन्धन न हो और गरीबी तो बिलकुल भी न हो। जब भी भारत की किसी समस्या के हल की बात होती है तो नेता अमेरिका की ओर देखता है कि वहाँ पर कैसे, क्या होता है। वहाँ के तौर-तरीकों को, वहाँ के नियम कानून को भारत में लागू करने की कोशिश करता है।

अब भारत अमेरिका की तरह लगभग बन भी गया है। यहाँ पर डबल लेन से 4 लेन, 8 लेन, 14 लेन की सड़कें बन गई हैं। जगह-जगह पर ओवरब्रिज, फ्लाईओवर, अंडरपास बन चुके हैं। 30-35 मन्जिल की बिल्डिंगें भी बनने लगी हैं। पढ़ाई भी अब पूर्णत: अंग्रेजी माध्यम से और अमेरिकी पैटर्न पर ही होने लगी है। टैक्स स्ट्रक्चर भी लगभग अमेरिका जैसा हो गया है। अमेरिका की तरह यहाँ पर भी बहुत सारी सुविधाएँ जनता को फ्री उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं का हस्तक्षेप हो ही चुका है। भारत में भी महिलाएँ अब किसी के भी साथ बिना विवाह के रह सकती हैं, संतान भी पैदा कर सकती हैं। समलैंगिक विवाह को भी मान्यता मिल चुकी है। बच्चों का लालन पालन अब भारत में भी अमेरिका की तरह प्लेग्रुप, नर्सरी, होस्टल अथवा अनाथालय में होने लगा है। बहू-बेटे वृद्ध माँ-बाप को अपने साथ रखने में कतराने लगे हैं इसलिए जगह-जगह वृद्धाश्रम भी खुल चुके हैं।

भारत को अमेरिका की तरह विकसित बनाने के चक्कर में भारत की संस्कृति, सभ्यता, धर्म, परम्पराएँ, लोकरीति, प्राचीन ज्ञान, पर्यावरण और स्वास्थ्य आदि सब कुछ नष्ट होने की कगार पर है। वास्तव में भारत का विकास यहाँ के धर्म, संस्कृति के आधार पर होना चाहिए। चीन, जापान, यूरोप और अमेरिका की नकल नहीं करनी चाहिए ।

-सरल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मानसखंड मंदिरमाला में छोटा कैलास भी

भीमताल। छोटा कैलास मन्दिर जल्द मानस खण्ड मन्दिर माला मिशन में शामिल होगा। इसके लिये जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भण्डारी ने शासन को प्रस्ताव बनाकर भेजा है। इससे पहले नैनीताल के नयना देवी मन्दिर और कैंची धाम को भी मानसखण्ड मन्दिर माला में शामिल किया जा चुका है।

बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए डीपीआर

हल्द्वानी। मानसून सत्र से पहले बाढ़ सुरक्षा की तैयारी के लिये सिंचाई विभाग ने गौला नदी के तटीय इलाके में स्थित इन्दिरानगर (बिन्दुखत्ता) में बाढ़ सुरक्षा योजना के तहत 8.20 करोड़ रुपये लागत से कार्य की डीपीआर बनाकर शासन को प्रस्ताव भेजा है। सिंचाई भवन देहरादून में टेक्निकल एडवाइजरी कमेटी की बैठक में कमेटी के सामने योजनाओं की तकनीकी मूल्यांकन के लिये प्रस्ताव रखा था। इसके बाद कमेटी ने कई योजनाओं को तकनीकी स्वीकृति दी थी।

सौ मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण होगा

रुद्रपुर। फाजलपुर महरौला में नगर निगम की 6 एकड़ भूमि पर 50 मीट्रिक टन के कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लान्ट के साथ ही कूड़े के निस्तारण के लिए ट्रोमल कंवेयर मशीन का प्लान्ट लगा दिया गया है। इससे प्रतिदिन सौ मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। असल में रुद्रपुर में कूड़े की समस्या बढ़ती जा रही है। इसके लिये यह तैयारी की गई है।

गेलपातल इस बार धरमघर में होगा

धरमघर। जोहार सांस्कृतिक एवं वेलफेयर सोसाइटी हल्द्वानी द्वारा प्रतिवर्ष होने वाले गेलपातल का इस धरमघर में आयोजन है। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को होने वाले इस आयोजन में स्थानीय विद्यालयों की जागरुकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह है। सोसाइटी की ओर से भी तैयारियां आरम्भ हो चुकी हैं।

जून में बन्द रहेंगे गिरता मंदिर कपाट

रामनगर। गिरिजा मन्दिर के टीले को बचाने के लिये ट्रीटमेंट कार्य के चलते 30 जून तक टीले वाला माता का मुख्य मन्दिर पूजा-अर्चना के लिये बन्द रहेगा। सिंचाई विभाग ने निर्माण कार्य के दौरान पत्थर गिरने की आशंका में टीले की सौ मीटर की परिधि में आवाजाही बन्द करने का आग्रह किया था। इस पर मन्दिर समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन के साथ बैठक कर सहमति जताई। रामनगर का गिरिजा मन्दिर श्रद्धालुओं के साथ ही पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। इसके टीले में दरार की सूचना के बाद से ट्रीटमेंट के कहा जा रहा था।

हेलीकाप्टर सेवा का व्यास घाटी के गुंजी मनेला में विरोध

धारचूला। आदि कैकास और ओम पर्वत यात्रा के विरोध में व्यास घाटी में जबर्दस्त आन्दोलन व्याप्त है। आन्दोलन के दौरान दो लोगों की गिरफ्तारी से तो यह आन्दोलन और भी भड़क गया। पुलिस का कहना है कि हेलीकाप्टर पर पथराव करने और अभद्रता की शिकायत पर कार्रवाई की गई।

असल में स्थानीय रोजगार व वातावरण को लेकर शुरू से ही हेली सेवा का विरोध होने लगा था। जबकि शासन पर्यटन को बढ़ावा देने की बात करते हुए इसे हवा दे चुका था। घटनाक्रम के अनुसार व्यास जनजाति संघर्ष समिति, होम स्टे, टैक्सी यूनियन और व्यास घाटी के लोग आदि कैलास और ओम पर्वत यात्रा का संचालन करने के विरोध में धरने पर बैठे। इस बीच एसडीएम मंजीत सिंह और सीओ परवेज अली के गुंजी पहुँचने के बाद व्यास जनजाति संघर्ष समिति अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह नबियाल, प्रधान नपलच्यू नरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी से नाराज लोगों ने तवाघाट चौराहे पहुँचकर प्रदर्शन किया। पुलिस दोनों को धारचूला ले आई, ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम कोतवाली के बाहर लग गया। बाद में एसडीएम कोर्ट में मुचलका भरने पर दोनों को छोड़ दिया गया। गुंजी मनेला की महिलाओं ने ट्रिप टू टैंपल कम्पनी के कर्मियों पर अभद्रता का आरोप लगाया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में कोतवाली धारचूला से कार्रवाई की मांग की। कहा कि एआरटीओ कम्पनी की ओर से व्यवसायिक तरीके से प्रयोग किए जा रहे वाहनों पर कार्रवाई करने के लिये कुछ समय पूर्व गुंजी पहुँचे हुए थे। कार्रवाई न होने पर महिलाएं बातचीत करने के लिये आईटीबीपी की पोस्ट की ओर जा रही थी क्योंकि उनकी गाड़ियां आईटीबीपी के कैम्प में खड़ी थीं। वहाँ कम्पनी के लोगों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिलाओं के साथ अर्चना गुंज्याल मुख्य रूप से थीं।

पूर्व पालिका अध्यक्ष अशोक नबियाल ने कहा कि पुलिस सीमान्त के लोगों पर गलत आरोप लगा रही है। हेली से आदि कैलास और ओम पर्वत यात्रा के विरोध को लेकर गुंजी में लोग आन्दोलन कर रहे थे। इसमें पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने खुला ऐलान किया है कि हेली सेवा का विरोध जारी रहेगा। विरोध देखते हुए आदि कैलास का हेली से संचालन कर रहे ट्रिप टैंपल कम्पनी के वाहन धारचूला लौट गए। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी चीन सीमा से लगे गुंजी गाँव में हेली सेवा का विरोध को समर्थन किया है। कहा कि यदि आन्दोलनकारियों का उत्पीड़न किया गया तो सभी पंचायत प्रतिनिधि सरकार के खिलाफ आन्दोलन करेंगे। संगठन के संयोजक जगत मर्तोलिया ने कहा कि हेली सेवा शुरू कर सीमान्त के लोगों का रोजगार छीना जा रहा है। दिल्ली से वाहनों को बुलाकर बचेखुचे रोजगार को समाप्त किया जा रहा है।

अयोध्या में बनेगा उत्तराखण्ड भवन

देहरादून। राम जन्मभूमि अयोध्या में उत्तराखण्ड भवन (राज्य अतिथि गृह) का निर्माण होगा। प्रदेश सरकार ने इसकी औपचारिकता पूरी करते हुए रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली है। सीएम धामी ने कहा कि सरकार अपने वायदे के अनुरूप जल्दी रामनगरी अयोध्या में अतिथि गृह का निर्माण करेगी।

जागेश्वर में खोदाई में मिला शिवलिंग

अल्मोड़ा। विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम के पास खोदाई में प्राचीन शिवलिंग मिला। मास्टर प्लान के तहत केदारनाथ्श मन्दिर और ज्योतिर्लिंग मन्दिर के पीछे केबिल बिछाने के लिए हो रही खोदाई में शिवलिंग मिला। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। जागेश्वर मन्दिर समिति के प्रबन्धक ज्योत्सना पन्त ने क्षेत्रीय पुरातत्व विभाग को इसकी सूचना दी। अनुमान लगाया जा रहा है कि प्राप्त शिवलिंग 14 वीं शताब्दी का होगा। दस वर्ष पूर्व यहाँ विष्णु की मूर्ति भी मिली थी।

गंगोलीहाट में शिक्षक नियुक्त हों

गंगोलीहाट। क्षेत्र में शिक्षकों की कमी से पठन-पाठन बाधित हो रहा है। इसके लिये क्षेत्रवासियों ने शीघ्र ही शिक्षक नियुक्ति की मांग की है। रा.जूनियर हाईस्कूल व प्राथमिक विद्यालय जजौली में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर ग्रामीणों ने खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र मौर्य से भेंट की। ग्रामीणों ने बीईओ को जजौली स्कूलों में शिक्षकों की कमी की समस्या के बारे में बताया। प्राथमिक विद्यालय में एक भी शिक्षक नहीं है। जिससे अभिभावक अन्यत्र विद्यालय में अपने बच्चों को ले जाने के लिये बाध्य हैं। इस समस्या के बारे में पहले भी अवगत कराया गया था लेकिन आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिला। इस पर खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बेरीनाग में अटैच शिक्षक को पत्राचार कर दिया गया है। शीघ्र ही वे विद्यालय में आएंगे।

बिर्थी झरने के साथ ही ग्लास ब्रिज

मुनस्यारी। विश्व प्रसिद्ध बिर्थी झरने के साथ ही अब ग्लास ब्रिज का आकर्षण भी पर्यटकों के लिये है। इस पर्यटन सीजन में पर्यटक 148 मीटर ऊँचे जल प्रपात को ग्लासब्रिज से निहार सकते हैं।

थल-मुनस्यारी मोटर मार्ग पर बिर्थी झरने की सुन्दरता सबको मुग्ध करती है। प्रतिवर्ष हजारों दर्शक इसे देखने आते हैं। इस स्थान को अधिक आकर्षित करने के लिये सवा करोड़ की लागत से ग्लास ब्रिज का निर्माण किया गया है। ग्रामीण निर्माण विभाग डीडीहाट की ओर से इसे बनाय गया। ब्रिज की 22 फुट ऊँचाई के डेक स्लैब से पर्यटक झरने को देखेंगे। इसे बनाने के लिये स्टील के आयताकार ट्यूब के अष्ठकोणीय ढांचे पर टिकाया गया है। आरसीसी की कुल लम्बाई 42 फुट है। डेक स्लैब के स्पोर्ट के लिए 25 सेमी व्यास के 18 पाइप भी लगाए गए हैं। ग्लास ब्रिज पर जाने के लिए अष्ठकोणीय ढांचे के अन्दर से सीढ़ी बनाई गई है।

बताते चलें कि पर्यटकों की सुविधा के लिये बिर्थी में कुमाऊँ मण्डल विकास निगम का तीस बेड का गेस्ट हाउस भी है।

नामिक में सड़क सपना पूरा हो रहा

नाचनी। तल्ला जोहार के अन्तिम गाँव नामिक तक सड़क सपना पूरा होने जा रहा है। प्रथम चरा में सड़क कटिंग का कार्य पूरा हो चुका है। सड़क कटने और वहाँ कैंटर के पहुँचने पर लोगों में खुशी है।

सड़क कटिंग कार्य में अभी तक नामिक की ओर से तीन और होकरा की ओर से 13 किमी सड़क कट चुकी है। अब एक किमी सड़क गाँव में ही कटनी है। बताते चलें कि नामिक ग्लेशियर रामगंगा नदी का उद्गम है। पर्यटन के लिये अथाह सम्भावनाओं वाले नामिक में आवागमन की दिक्कत होने होने से बहुत कम लोग जा पाते थे और स्थानीय लोगों को भी परेशान होना पड़ता था। अब सड़क कटिंग के बाद उम्मीद जगी है कि पर्यटन का कारोबार तेज होगा। 700 की आबादी वाले नामिक में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। ग्राम प्रधान तुलसी देवी ने सड़क कार्य के लिये सभी का आभार जताया।

कपकोट में वज्रपात से बकरियां मरीं

बागेश्वर। जिले के कपकोट क्षेत्र में तमतोरा बुग्याल में आकाशीय बिजली से जंगल में चर रही करीब 121 बकरियों की मौत हो गई। यह सभी मवेशी गोगिना के ग्रामीणों की थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज अंधड़ के साथ बादल गरजने के समय लमतोरा बुग्याल में चरने गई गोगिना गाँव के पशुपालकों की 121 बकरियां आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। हादसे में हर्ष सिंह की 30, पान सिंह की 30, सुनील सिंह की 16, वीर राम की 7, भूपाल सिंह की 8, लक्ष्मण सिंह की 5, केशर सिंह की 2, हरमल सिंह की 1 और नरेन्द्र सिंह की 2 बकरियों की मौत हो गई। हादसे के समय चरवाहे मवेशियों से कुछ दूरी पर थे। ग्रामीणों ने बताया कि गाँव के अधिकांश लोग पशुपालन करते हैं लेकिन वज्रपात से अब पशुपालकों की कमर टूट गई है। लोगों ने इसकी जानकारी प्रशासन को देते हुए मुआवजा देने की मांग की है। बताते चलें कि वज्रपात, प्राकृतिक कहर से कपकोट में पहले भी नुकसान हुआ है।

परिक्रमा

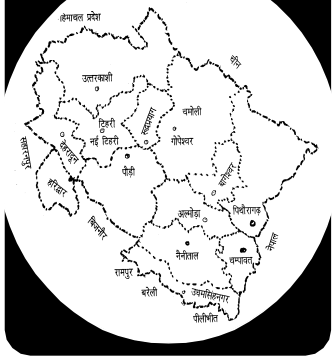

अधिग्रहीत भूमि पर बनेगा ओवरब्रिज

हल्द्वानी। प्रशासन व राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने बरेली रोड पर प्रस्तावित रेलवे ओवर ब्रिज का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही रेलवे ओवर ब्रिज के लिए अधिग्रहीत भूमि की पैमाइश की और निश्चित किया कि अधिग्रहीत भूमि से अतिरिक्त भूमि पर निर्माण नहीं किया जा रहा है। अधि ग्रहीत भूमि पर ही रेलवे ओवरब्रिज बनेगा।

मृतक आश्रितों को नौकरी मिले

टनकपुर। उत्तराखण्ड परिवहन निगम के कई मृतक आश्रितों को अब तक नौकरी नहीं मिल पाई है। जिससे उनमें रोडवेज प्रबन्धन और शासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। रोडवेज मृतक आश्रित संगठन के अध्यक्ष के अध्यक्ष गां गिरी गोस्वामी के नेतृत्व में क्षेत्रीय प्रबन्धक पवन मेहरा से भेंट कर मृतक आश्रितों को शीघ्र नौकरी देने की मांग की।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सोमेश्वर व चौखुटिया में अतिवृष्टि से तबाही के निशान बांकी हैं

पि.हि.प्रतिनिधि

अल्मोड़ा। वनाग्नि के समय बरसात की खुशी है लेकिन अतिवृष्टि से सोमेश्वर व चौखुटिया में तबाही से बहुत नुकसान हुआ है। इन दिनों तबाही के निशान बता रहे हैं कि प्रकृति के आगे किसी की नहीं चलती।

सोमेश्वर में कई सड़क, सम्पर्क मार्ग उखड़ जाने साथ ही पाइप लाइनों, नोलों में रोखड़ बन चुका है। आपदा में जल स्रोत, बिद्युत लाइनें टूट गई। खेतों में मलबा भरने के अलावा मकानों में नुकसान हुआ है। सूपाकोट गाँव में हुए भारी नुकसान से कई घरों को खतरा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से तत्काल मदद की मांग की है। आपदा मद से नौले की मरम्मत और गधेरे के पानी की निकासी का कार्य कराने को भी कहा है।

सोमेश्वर जिले के चनौदा में बादल फटने और चौखुटिया में हुई अतिवृष्टि से मची तबाही के बाद प्रशासन ने बचाव व राहत कार्य किये हैं। जिला प्रशासन, आपदा प्रबन्धन, एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी रहीं। कौसानी हाईवे को खोलने के लिये जेसीबी लगाई गई।

तेज बारिश से सोमेश्वर के चनौदा में बाघ गधेरा उफनाया जिससे बरसाती पानी के साथ मलबा और बड़े-बड़े बोल्डर खिड़की दरवाजे तोड़कर लोगों के घरों व दुकानों में घुस गये। सोमेश्वर-कौसानी हाईवे पर मलबा आने से आवाजाही ठप हो गई।

चनौदा और अधुरिया क्षेत्र में प्रकृति का कहर फैले हुए मलबे के रूप में दिखाई दे रहा है। यहाँ दुकानें शटर तक मलबे से पटी हुई थी। कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं।

दूसरी ओर चौखुटिया में अतिवृष्टि से कुठलाद नदी उफान गई और बाढ़ सुरक्षा के कार्य में लगे 80 मजदूरों ने भागकर अपनी जान बचाई। नदी में बाढ़ सुरक्षा के लिये दो जेसीबी मशीनें, एक मिक्सर मशीन और ट्रैक्टर ट्राली नदी के तेज बहाव में आकर मलबे में दब गई। तेज बारिश से चौखुटिया-द्वाराहाट मार्ग भी करीब दस घण्टे बन्द रहा। मिरई, बसभीड़ा गाँवों के कई घरों में बरसाती पानी और मलबा भर गया। मिरई निवासी हेमा देवी और नौगांव, बसभीड़ा व केशर बैराठ के अनेकों ग्रामीणों के घरों में बरसाती पानी मलबा घुस गया। तेज बारश के कारण तहसील का बाखली गधेरा भी उफान पर था, जिससे चौखुटिया बाजार होते हुए द्वाराहाट मार्ग में मलबा एकत्र हो गया।

चौखुटिया में हुई अतिवृष्टि की घटना में करीब एक करोड़ से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इन दिनों कुठलाद नदी में सिंचाई विभाग द्वारा 2 करोड़ 93 लाख रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा के तहत सुरक्षा दीवार बनाने का काम चल रहा था, लेकिन अतिवृष्टि के कारण ठेकेदार की जेसीबी, मिक्सर मशीन, ट्रैक्टर ट्राली समेत करीब 600 कट्टे सीमेंट, मजदूरों का राशन और कपड़े नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गये। बतबन्ध की दीवार समेत सिंचाई नहरों, कृषि भूमि और पैदल मार्गों को भी काफी नुकसान पहुँचा है। अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान ललित मोहन कुटियाल, सहायक अभियन्ता सुखदीप सिंह सुन्दरियाल, अवर अभियन्ता मनोज जोशी, सहायक कृषि अधिकारी मोहन सिंह, राजस्व उप निरीक्षक नितिन चौधरी ने दौरा कर नुकसान का जायजा लिया।

हाईकोर्ट नैनीताल : जाएं तो जाएं कहाँ?

गौलापार क्षेत्र उपयुक्त नहीं, अधिवक्ता ऑनलाइन दर्ज कराएंगे अपना मत

नैनीताल/देहरादून। हाईकोर्ट नैनीताल के लिये स्थान को लेकर पिछले दो साल से लगातार चर्चाओं के बाद अब कहा गया है कि हाईकोर्ट के लिये गौलापार क्षेत्र उपयुक्त नहीं है। इसके लिये क्या किया जाए, इस पर अधिवक्ता ऑनलाइन अपना मत दर्ज कराएंगे। नैनीताल में दबाव के चलते पहले यह सुरबुराहट हुई थी एचएमटी रानीबाग खाली होने के बाद इसमें हाईकोर्ट आ सकता है लेकिन बाद में कहा गया कि गौलापार में आएगा। इस बीच में नैनीताल से कोर्ट शिफ्ट होने के पक्ष-विपक्ष में बातें होती रहीं। साथ ही काशीपुर, ऋषिकेश सहित अन्य स्थानों से वहाँ पर स्थापित करने की मांग भी उठी। इन सारी बात-बहस के बीच यह तो साफ हो चुका है कि नैनीताल में अति दबाव देखते हुए रास्ता तलाशना जरूरी हो गया है।

अब तो उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने आदेश जारी कर गौलापार में कोर्ट की शिफ्टिंग को खारिज कर दिया है। इस मामले में अधिवक्ताओं व जनसामान्य से सुझाव लिए जा रहे हैं। इसके लिए एक पोर्टल बनाया गया है। वहीं हाईकोर्ट के लिए उचित स्थान का चयन करने के लिये मुख्य सचिव को एक माह का समय दिया गया है। इसके अतिरिक्त रजिस्ट्रार जनरल की अध्यक्षता में एक समिति का भी गठन किया है। हाईकोर्ट ने व्यापक जनहित को आधार मानकर नैनीताल से हाईकोर्ट को शिफ्ट किया जाना आवश्यक बताया है। कोर्ट ने मुख्य सचिव से एक माह के भीतर हाईकोर्ट के लिये उचित स्थान बताने को कहा है। मुख्य सचिव को अपनी रिपोर्ट 7 जून तक हाईकोर्ट में सौंपनी होगी। साथ ही रजिस्ट्रार जनरल को एक पोर्टल बनाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें अधिवक्ताओं व जनसामान्य के सुझाव लिए जाएंगे कि वे नैनीताल से हाईकोर्ट शिफ्ट करने के पक्ष में हैं या नहीं। पोर्टल में 31 मई तक सुझाव दिए जा सकेंगे।

यह आदेश मुख्य न्यायधीश रितु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ ने जारी किए। जिसमें कहा गया कि गौलापार में जहाँ हाईकोर्ट के लिये जगह चिन्हित है, वहाँ 75 फीसदी वन भूमि है और घना जंगल है। वहाँ पेड़ काटने के बाद हाईकोर्ट की स्थापना उचित नहीं है। हाईकोर्ट इसके पक्ष में नहीं है। 8 मई को आईडीपीएल ऋषिकेश से जुड़े एक मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी व मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आर.के.सुधाशुं वीसी के माध्यम से कोर्ट में उपस्थित हुए थे। जिन्हें नैनीताल हाईकोर्ट शिफ्ट करने की सूचना दी थी और उसी दिन दोपहर बाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन व अधिवक्ताओं का पक्ष भी सुना। उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए हाईकोर्ट को नैनीताल स्थानान्तरित करने के मद्दे को शीघ्र निपटाने के लिए हाईकोर्ट ने एक प्रक्रिया तैयार की है।

हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल की अध्यक्षता में जो समिति गठित की है, इसमें प्रमुख सचिव विधायी और संसदीय कार्य, प्रमुख सचिव गृह, दो वरिष्ठ अधिवक्ता, उत्तराखण्ड राज्य बार काउंसिल द्वारा नामित एक सदस्य, बार काउंसिल आफ इण्डिया से अध्यक्ष और एक अन्य पदाधिकारी इसके सदस्य हैं। समिति सम्बन्धित पक्षों की राय लेने के बाद 7 जून तक सीलबन्द रिपोर्ट हाईकोट को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र के टनकपुर डिग्री कालेज की सुध लो, जाँच की मांग

टनकपुर के वातावरण में जहर घोलने वाले तत्वों से सावधान रहने की अपील

कालेज में पहले से होती रही है मनमानी, प्राध्यापक पर आरोप करते छात्र नेताओं का हंगामा

टनकपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र का महत्वपूर्ण टनकपुर डिग्री कालेज लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसके हालातों को देख क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता और छात्रों ने मोर्चा खोल दिया है। कहा है कि टनकपुर के वातावरण में जहर घोलने वाले तत्वों से सावधान रहें।

क्षेत्र में किसी को कोई असुविधा न हो और विकास हो, इसके लिये मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय की स्थापना की गई है। हालातों को देख पीड़ित लोग इस कार्यालय पर अपनी बात रखते हैं और उनका समाधान भी होता है। डिग्री कालेज की बातों को लेकर भी कैम्प कार्यालय सजग है क्योंकि लम्बे समय से यहाँ भी शिकायतें होती रही हैं। इन शिकायतों में

सीएम कैम्प कार्यालय में भी शिकायतों की झड़ी लगी

कहा गया है कि वरिष्ठ प्राध्यापक और अपने को सबकुछ मानने वाले घोर उपेक्षा और मनमानी कर रहे हैं। इस बीच हुए हंगामे की आग चारों ओर है। इसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित तमाम संगठनों ने भूगोल के प्राध्यापक एम.एस.चौहान के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जाँच की मांग की। उग्र छात्र नेताओं ने प्राचार्य कक्ष में घेराव करते हुए जिस प्रकार के आरोप लगाए वह सोचनीय हैं। छात्र नेताओं और छात्राओं ने प्रवक्ता पर अशिष्ट भाषा का प्रयोग करने सहित कई आरोप लगाए। उच्चशिक्षा निदेशक, जिलाधिकारी व अन्य को पत्र भेजते हुए इनकी जाँच कराने व इनको दिये गये चार्ज हटाने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि सन् 2004 से टनकपुर में उच्चशिक्षा का मन्दिर खुला तो लोगों आस हुई देवभूमि के इस भावर में बहार आयेगी लेकिन दुर्भाग्य से इसमें इस प्रकार के तत्वों का आना हो गया जिनका विवादों से पाला रहा है। कालेज में निष्ठावान प्राचार्य मिलते रहे लेकिन उन्हें भी परेशान किया गया। डॉ.करुणा खन्नू जैसी नेकदिल प्राचार्य ने बहुत दिक्कतों के बावजूद कालेज संभाला। डॉ.जी.प्रकाश को भी बहुत दु:ख दिये गये और कोरोना काल में उनकी मृत्यु हो गई। प्राचार्य पद खाली होने पर डीडीओ पॉवर बनबसा की प्राचार्य डॉ. आभा शर्मा को दिया गया और उन्होंने भी कालेज की बेहतरी के लिये कार्य किये लेकिन अजब बात यह है कि कालेज के बोर्ड में एक ही समय में दो-दो प्राचार्यों के नाम हैं। बताया जाता है कि इसके बाद डॉ.नगेन्द्र द्विवेदी ने चार्ज संभालते ही सुधार के लिये डण्डा उठाया लेकिन वह अति उत्साह उन्हें ले डूबा। कालेज में फैल चुकी गन्दगी का ढोल पूरे प्रदेश में सुनाई देने लगा। इसके बाद डॉ.अनुपमा तिवारी ने कालेज की बेहतरी के लिये अपने को समर्पित किया है परन्तु जिस प्रकार से मीठा बोलकर उन्हें घेरा गया है, उन्हें विचार करना होगा। यह भी बताया जा रहा है कि टनकपुर कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ.द्विवेदी और प्रवक्ता डॉ.एस.के. कटियार के बीच काफी पत्राचार हुए। इसकी शिकायत भी मुख्यमंत्री कार्यालय तक है। कालेज में रूसा के कार्यों की जाँच को लेकर लगातार मुखरता रही है। कालेज मुख्यालय में 8 किमी दायरे से दूर रहने वालों का मसला और जिनका इतिहास विवादों से रहा है उनकी चालढाल की खुसरफुसर पूरे टनकपुर में होती रहती है। मजेदार तो यह है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के नाम पर जैसा इस कालेज में आज तक जो भी होता है वह भी कम चर्चा में नहीं है। ऐसे में मीठा बोलकर उच्चशिक्षा को बर्बाद करने वालों से बचाना होगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हिमालयी माँ नन्दादेवी महिन्दर पुर्ननिर्माण आयोजन की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

भगत सिंह टोलिया
(पूर्व डीआईजी), चौपला चौराहा
बीरपारो मार्ग, हल्द्वानी

दमयन्ती जंगपांगी
(स्व.रणजीत सिंह)
सुरभि कालोनी
फेस-2
मल्ली बमोरी
हल्द्वानी

भगवान सिंह बर्फाल
मण्डल प्रबन्धक, केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय
कुसुमखेड़ा चौराहा, हल्द्वानी

न तेरा न मेरा **Thats**
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

GST No- 05AARPU1474D1ZI
आकर्षक छपाई के लिये
शक्ति प्रेस
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 05946-264013

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)